Cambridge INTERNATIONAL SCHOOL KULLU

अर्ध वार्षिक पाठ्य क्रम
विषय : संस्कृत
कक्षा : चौथी
सत्र : **2025-26**

पाठय् पुस्तक

1. **मधुमुक्ता:**

महीना	विषयवस्त्	पठन कौशल संचार कौशल भाषा प्रवाहन शब्द उच्चारण शैक्षिक कौशल ध्यान, स्मृति रचनात्मकता सृजनात्मकता गहनता	लेखन कौशल/ संचार कौशल वाक्य रचना विन्यास व्याकरण विकास धारणा, स्मरण हल कार्य	वाचन कौशल / संचार कौशल व्याख्यान चर्चा संज्ञानात्मक एवं शैक्षिक कौशल धारणा - ध्यान तार्किक चिंतन सांस्कृतिक और भावात्मक कौशल सहानुभूति और सहयोग की भावना समस्या समाधान तर्क- वितर्क सार्वभौमिक मूल्य भाषा संवेदनशीलता साहित्य ज्ञान	व्याकरण	सम्मुख क्रिया कलाप
अप्रैल	मङ्गलम् शिक्षण संप्राप्ति– ● छात्र मङ्गलम् के भावों को समझकर संवेदनशील और आध्यात्मिक बन पाएँगे। ● छात्र वन्दना के अर्थ व महत्व से अवगत होकर उस पर चर्चा करने में पारंगत हो पाएँगे। वर्णव्यवहार: शिक्षण संप्राप्ति ● छात्र संस्कृत वर्णमाला (स्वर और व्यंजन) को पहचान कर उनका उच्चारण करना सीखेंगे । ● छात्र वर्णों का प्रयोग करके शब्द और वाक्य का निर्माण करने में निपुण हो पाएँगे।	वन्दना को प्रभावी ढंग से व उचित ढंग से व्यक्त करना पाठ का उच्च स्वर में पठन	अनुवाद लेखन संस्कृत वर्णमाला की सहायता से नवीन शब्दों का लेखन	मंगलम् को अपने जीवन में शामिल करने की प्रेरणा संबंधी वाचन छात्रों द्वारा संस्कृत शब्दों के निर्माण पर चर्चा	लिंग शिक्षण संप्राप्ति- ● छात्र लिंग का अर्थ व उसके भेदों से परिचित होंगे। ● छात्र लिंग के आधार पर शब्दों को सही ढंग से प्रयोग करना सीखेंगे । दिनानाम् नामानि	छात्र मङ्गलम् का लयबद्ध गायन समूहों में विभाजित होकर करेंगे । छात्र हिंदी अंग्रेजी व संस्कृत भाषा में दिनों के नामों को कविता के माध्यम से तीनों भाषाओं में जान पाएंगे।

मई	पुल्लिंगशब्दा: शिक्षण संप्राप्ति-- ● छात्र पुल्लिंग शब्दों की पहचान करने में सफल हो पाएँगे। ● छात्र पुल्लिंग शब्दों का उपयोग करके सही और अर्थपूर्ण वाक्य बनाने में निपुण होंगे । स्त्रीलिंगशब्दा: शिक्षण संप्राप्ति– ● छात्र स्त्रीलिंग शब्दों के व्याकरणिक नियमों से अवगत होकर लेखन में सफल हो पाएँगे। ● छात्र विभिन्न संदर्भों में स्त्रीलिंग शब्दों का प्रयोग करने का अनुभव प्राप्त कर सकेंगे ।	अकारांत पुल्लिंग शब्दों का ध्यानपूर्वक पठन	पुल्लिंग व स्त्रीलिंग शब्दों का लिखित रूप में प्रकटीकरण	छात्र मौखिक रूप से स्त्रीलिंग व पुल्लिंग शब्दों का प्रयोग कर अपनी बात को स्पष्ट कर सकेंगे ।	वचन शिक्षण संप्राप्ति– ● विद्यार्थी वचन की पहचान कर उसे वाक्य में सही ढंग से प्रयोग करना सीखेंगे । ● छात्र उदाहरणों के माध्यम से वचन के भेदों को क्रमबद्ध रूप में लिखेंगे। फलानि नामानि**(1-6)**	छात्र अपने आसपास विद्यमान वस्तुओं के वचन निर्धारण करके कक्षा के समक्ष प्रस्तुत करेंगे छात्र किन्हीं दो फलों का चित्र बनाकर उनके आकार, रंग और स्वाद के बारे में लिखेंगे व कक्षा के समक्ष प्रस्तुत करेंगे। (परियोजना कार्य)
जून	नपुंसकलिंगशब्दा: शिक्षण संप्राप्ति– ● छात्र नपुंसक लिंग शब्दों को पुल्लिंग और स्त्रीलिंग से अलग करना सीखेंगे । ● छात्र नपुंसकलिंग शब्दों की पहचान कर उनका प्रयोग करने में पारंगत हो पाएँगे। अहम् नमामि मातरम् शिक्षण संप्राप्ति- ● छात्र कविता के माध्यम से बड़ों का आदर करना सीखेंगे । ● छात्र कविता का शुद्ध उच्चारण कर अर्थ ग्रहण करने में निपुण हो पाएँगे।	पाठ का शुद्ध स्वर में पठन लयात्मक गायन	नपुंसक लिंग शब्दों का व्याकरणिक नियमों के अनुसार लेखन सरलार्थ लेखन	कक्षा में विद्यमान नपुंसकलिंग शब्दों पर चर्चा नैतिक शिक्षा के महत्व पर संभाषण	सर्वनाम शब्दा: शिक्षण संप्रप्ति-- ● छात्र लिखित एवं मौखिक भाषा में सर्वनाम शब्दों का सही प्रयोग कर पाएंगे । ● छात्र सर्वनाम शब्दों का प्रयोग करके प्रभावी ढंग से संवाद कर पाने में पारंगत हो पाएँगे।	छात्र दैनिक जीवन से संबंधित वस्तुओं के माध्यम से सर्वनाम को वचनों के आधार पर विभाजित करेंगे। छात्र प्रतिदिन कितने लोगों को नमस्कार करते हैं उनके नाम लिखेंगे व कक्षा के समक्ष प्रस्तुत करेंगे।
जुलाई	क: राजा शिक्षण संप्राप्ति– ● छात्र कहानी के माध्यम से न्याय, ईमानदारी और नेतृत्व की भावना से प्रेरित होंगे । ● छात्र संपूर्ण पाठ का हिंदी अनुवाद करने में सफल हो पाएँगे।	पाठ का विश्लेषणात्मक पठन	हिंदी अनुवाद लेखन	स्कूल की प्रधानाचार्य के विषय में चर्चा	गणना **(1-10)** शिक्षण संप्रप्ति— ● छात्र एक से दस तक संस्कृत में गणना को लिखने व याद करने में सफल हो पाएँगे। ● छात्र गणना के ज्ञान द्वारा गणितीय समस्याओं को हल करने में इसका प्रयोग करना सीखेंगे । वर्णानाम् नामानि (रंगों के नाम) **(1-10)**	छात्र अपने मन पसंद पशु का चित्र बनाकर उसमें रंग भरकर कक्षा में प्रस्तुत करेंगे। छात्र तालिका वादन गतिविधि के माध्यम से गणना को खेल-खेल में सीखेंगे।

मूल्यांकन---
- पठन, वाचन, लेखन एवं श्रवण
- उत्तर पुस्तिका रखरखाव
- सावधिक परीक्षा
- कक्षा परीक्षा

Cambridge INTERNATIONAL SCHOOL KULLU

वार्षिक पाठ्य क्रम
विषय : संस्कृत
कक्षा : चौथी
सत्र : **2025-26**

पाठय् पुस्तक

1. मधुमुक्ता:

महीना	विषयवस्त्	पठन कौशल	लेखन कौशल	वाचन कौशल	व्याकरण	सम्मुख क्रियाकलाप
अगस्त / सितम्बर	हस्ती हस्ती हस्ती शिक्षण संप्राप्ति- • छात्र पाठ के पद्यांशों का गान स्वरूप में पठन कर पाएँगे। • छात्र पाठ के माध्यम से हाथी की आकृति से बनाने में कुशल हो पाएँगे।	पाठ का प्रभावशाली पठन	पाठ में आए व्याकरणिक शब्दों का लेखन	हाथी के विषय में चर्चा	शरीरस्य अंगानाम् नामानि शिक्षण संप्राप्ति– • छात्र संस्कृत भाषा में शरीर के अंगों के नामों से परिचित होंगे । • छात्र अंगों के नामों का शुद्ध उच्चारण करने में समर्थ हो पाएँगे ।	छात्र रंगों की सहायता से संस्कृत में शरीर के अंगों के नामों की सूची तैयार करेंगे।
अक्तूबर	होलिकोत्सव: शिक्षण संप्राप्ति- • छात्र पाठ के माध्यम से होली उत्सव पर चर्चा कर वाचन कर पाएँगे । • छात्र पाठ के माध्यम से विभिन्न प्रकार के रंगों से अवगत होंगे । ।	पाठ का स्पष्ट उच्चारण व अध्ययन	होली संबंधित कहानी लेखन	अपने गांव में मनाए जाने वाले होली के उत्सव के विषय में बातचीत	गणना **(11-20)** शिक्षण संप्राप्ति– • छात्र ग्यारह से बीस तक संस्कृत में गणना को प्रत्यास्मरण करने में सफल हो पाएँगे। • छात्र गणना का उपयोग दैनिक जीवन के कार्यों में कर पाएँगे।	होली संबंधित अपने-अपने अनुभवों को व्यक्तिगत रूप से कक्षा के समक्ष प्रस्तुत करेंगे । छात्र व्यक्तिगत रूप से संस्कृत गणना संबंधी संख्या कार्ड का निर्माण करेंगे।
नवंबर	करुणापर: सिद्धार्थ: शिक्षण संप्राप्ति- • छात्र महात्मा बुद्ध की ज्ञान प्राप्ति के विषय में चर्चा कर पाएँगे । • छात्र पाठ के माध्यम से जीवन में दया व प्रेमभाव के महत्व को को स्पष्ट कर पाएँगे।	पाठ का स्तब्धता के साथ पठन	संपूर्ण पाठ का हिंदी अनुवाद लेखन	महात्मा बुद्ध के जन्म स्थान के विषय पर चर्चा	लकार शिक्षण संप्राप्ति- • छात्र लकार के माध्यम से विभिन्न कालों को परिभाषित कर पाएँगे । • छात्र लकार की सहायता से सही काल में क्रिया का प्रयोग करना सीखेंगे ।	छात्र बुद्ध की कहानी को चित्र कथा के रूप में लिखकर कक्षा में प्रस्तुत करेंगे।
दिसंबर	आनंदप्रदा: क्रीडा: शिक्षण संप्राप्ति- • छात्र जीवन में खेलों के महत्व पर चर्चा कर पाएँगे । • छात्र खेलों के माध्यम से नैतिक मूल्यों की उपयोगिता से परिचित होंगे।	संवाद रूप में पाठ का पठन	शारीरिक स्वास्थ्य पर लेखन	खेल के माध्यम से स्वस्थ शरीर पर विचार विमर्श	पठ् धातु शिक्षण संप्राप्ति- • छात्र पठ् धातु के लट् लकार में रूपों को पहचानने और उनका प्रयोग करने में सफल हो पाएँगे। • छात्र पठ धातु के तीनों पुरुषों से अवगत होंगे।	छात्र अपने पसंदीदा खेल के विषय में रंगों के माध्यम से लेखन करेंगे। (व्यक्तिगत परियोजना कार्य)

मूल्यांकन

- पठन, वाचन, लेखन एवं श्रवण
- उत्तर पुस्तिका रखरखाव
- सावधिक परीक्षा
- कक्षा परीक्षा